पाने का हक है। उस न्याय से वहां के सैकड़ों-हजारों लोगों को आज वंचित किया जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में जब संविधान के प्रावधानों के अंतर्गत न्यायपालिका के निर्णय कार्यान्वित नहीं हो रहे हों तो फिर केन्द्र सरकार अगर नहीं देखे, तो संविधान के पालन की जिम्मेदारी किसकी होती है? भिन्न राज्य सरकारों की होती है और किन सरकार की मुख्य रूप से होती है। भारत के राष्ट्रपति संविधान की सुरक्षा और संरक्षा की शपथ लेते हैं और बिहार में संविधान की पूरे तौर पर अवेहलना हो रही है, उल्लंघन हो रहा हैं और पूरे राज्य में अराजकता का माहौल और असुरक्षा का माहौल बन गया है। मुख्य रूप से जो टिप्पणी वहां के मुख्य न्यायाधीश ने की है, उस टिप्पणी को भारत सरकार गंभीरता से ले और कोई कारगर उपाय तत्काल निकालने पर गंभीरता से विचार करे।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: (उत्तर प्रदेश): जो मिश्र जी ने बात उठाई है, वह गंभीर है और उन्होंने वस्तु-स्थिति का ही चित्रण किया है। मैं अपने आपको, अपने दल को उनकी बात से सम्बद्ध करता हूं। लेकिन मुख्य चीज यह है कि जब न्यायाधीश भी यह कहें कि यहां पर सरकार नाम की कोई चीज नहीं है और आम आदमी भी यह अनुभव करता हैं कि जैसे वहां कोई सरकार नहीं, केवल जंगल राज है, तो उचित ही कहा गया। मैं भी उनसे आवाज मिलाता हूं कि केन्द्रीय सरकार को देखना चाहिए कि क्या वहां पर संवैधानिक सरकार है या नहीं।

उपसभाध्यक्ष (सैयद सिब्ते रजी): आप एसोशिएट कर रहे हैं।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: अगर नहीं हैं तो गृह मंत्री और प्रधान मंत्री को; मैं यह कहूंगा कि प्रधान मंत्री बाहर जाने वाले हैं, उनको शीघ्र ध्यान देकर कोई न कोई कार्रवाई की जानी चाहिए।

Setting up of more public sector factories in Bihar

श्री नागमणि: (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से जिस तरह से केन्द्र ने शुरू से बिहार को नेग्लेक्ट किया हैं, उसकी ओर मैं आपको आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, आपको सुनकर आश्चर्य होगा कि 1962 के बाद बिहार में पब्लिक सैक्टर में एक भी बड़ा कारखाना नहीं खोला गया, जबकि पूरा देश जानता है कि बिहार में सबसे ज्यादा खनिज पदार्थ और रॉमैटीरियल हैं, खासकर के यह जो पलामू और चित्रा जिला का इलाका हैं, 8-10 खनिज पदार्थ वहां पाए जाते हैं। लेकिन 30 वर्षों के दरम्यान बिहार में एक भी बड़ा उद्योग स्थापित नहीं किया गया है, जिसके चलते पूरे बिहार के जो शिक्षित बेरोजगार हैं, नेक्सलाइट और आतंकवादी बनने पर मजबूर है। हम आपको इस बात के लिए कहना चाहते हैं कि आज बिहार का नौजवान यह सुनना नहीं चाहता हैं कि बिहार को केन्द्र नेग्लेक्ट करे और बिहार के लोग सुनते रहेंगे। हम इस माध्यम से कहना चाहते हैं और महोदय, आपको सुनकर आश्चर्य होगा कि बिहार से केन्द्रीय विश्व विद्यालय की मांग वर्षों से होती रही। बिहार से छोटा राज्य-आसाम है, इसी पिछले सेशन में दो-दो केन्द्रीय विश्व विद्यालय दिए गए। लेकिन बिहार में एक भी केन्द्रीय विश्व विद्यालय नहीं दिया गया है। *

उपसभाध्यक्ष (सैयद सिब्ते रजी): कृपया आपका जो विशेष उल्लेख है उससे ही सीमित रखें। दूसरे, जो भी यहां बातें कही जाती हैं वह संविधान के ढांचे में कही जाती हैं। मैं इस पटल को राजनीतिक प्रयोग के लिए इस्तेमाल नहीं होने दूंगा कि आप केन्द्रीय सरकार के खिलाफ इस प्रकार की बात कहें। जो भी इन्होंने कहा है, जिसका संदर्भ मैंने अभी लिया है, वह रिकार्ड पर नहीं जाएगा। आप स्पेशल मेंशन तक ही अपने को सीमित रखें।

*Not recorded.

श्री नागमणि: महोदय, हम आपसे निवेदन करना चहाते हैं कि मैंने जो कहा कि 1962 के बाद से बिहार में एक भी बड़ी इण्डस्ट्री पब्लिक सैक्टर में नहीं दी गई है, तो हम आपसे जानना चाहते हैं कि क्या केन्द्र की यह नीति सही है? और अगर वहां के नौजवान लोग, . . (**व्यवधान**)

:

उपसभाध्यक्ष (श्री सैयद सिब्ते रजी) अब आप समाप्त करें। आपकी बात हो गई।

*[اپ سبھا ادھیکش (شری سید سبط رضی : اب آپ سماپت کریں - آپکی بات ہو گئی -]

श्री नागमणि : मैं यह कह रहा था कि बिहार के लोग. . . .*

उपसभाध्यक्ष (श्री सैयद सिब्ते रजी) : देखिए चेयर की रूलिंग के खिलाफ मत बोलिए. . . (**व्यवधान**) कृपया बैठिए. . . (**व्यवधान**) देखिए, माननीय सदस्य इस सदन के नए सदस्य हैं इसलिए यहां के अदब और तहज़ीब से मैं समझता हूं कि वे पूरी तरह वाकिफ नहीं हैं। मैं उन्हें बताना चाहूंगा कि कोई ऐसी बात जो संविधान के ढांचे के बाहर हो, आप इस पटल पर उसका प्रयोग नहीं कर सकते। मैंने इस पर अपनी रूलिंग दे दी है। अब कृपया उस बात को आप पुनः रिपीट मत करें। मैं आपसे कहूंगा कि आप अपना स्थान ग्रहण करें। आपका समय हो गया है. . . (**व्यवधान**) आप कृपया अपना स्थान ग्रहण करें । पुनः इन्होंने जो उस तरह की बातें कहीं, वह रिकार्ड पर नहीं जाएंगी।

श्री भूपिन्दर सिंह मान : वे तो यहां उपस्थित नहीं हैं। रामदास अग्रवाल जी, आप बोलिए।

*No] recorded.

$()Translation in Arabic Script,

آپ سبھا ادھیکش : دیکھئے - چیئر کی رولنگ کے خلاف مت بولیئے ... "مداخلت" کرپیا بیٹھئے ... مداخلت "مانئیے سدسیہ اس سدن کے نئے سدسیہ ہیں - اس لیے یہاں کے ادب اور تہذیب سے میں سمجھتا ہوں کہ وہ پوری طرح واقف نہیں ہیں - میں انہیں بتانا چاہوں گا کہ کوئی ایسی بات جو سنودھان کے ڈھانچے کے باہر ہو - آپ اس پٹل پر اس کا پریوگ نہیں کر سکتے - میں نے اس پر اپنی رولنگ دی ہے - اب کرپیا اس بات کو ریپیٹ مت کریں - میں آپ سے کہوں گا کہ آپ اپنا استھان گرہن کریں - ... انہوں نے جو باتیں کہیں - وہ ریکارڈ پہ نہیں جائیں گی -

شری بھوپیندر سنگھ مان : وہ تو یہاں اپستھت نہیں ہیں - رام داس اگروال جی آپ بولئے -

Heavy losses in Public Sector Banks

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से केन्द्रीय सरकार का ध्यान रिजर्व बैंक आफ इंडिया की जो रिपोर्ट हमारे बैंकों के कार्यकलापों के संबंध में प्रस्तुत की गई है, उस ओर आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, बैंकों का राष्ट्रीयकरण जिस समय किया गया था, यह विचार रखा गया था इन सदनों में कि चूंकि बैंक एफिशियेंटली काम नहीं कर रहे हैं या शायद कहीं शोषण भी करते हैं, इसलिए इनका राष्ट्रीयकरण होना चाहिए ताकि आम आदमी को उसका लाभ भी मिल सके और इतना सारा जो रुपया केन्द्री-